Problem of livelihood being faced by the potter communityin the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। देश में मिट्टी बनाने वाला प्रजापति समाज आज भुखमरी के कगार पर है। लालू जी द्वारा पेश रेल बजट पास होने के बाद मिट्टी के कुल्हड़ों का प्रचलन शुरू हुआ लेकिन देखा गया है कि ट्रेन से लेकर प्लेटफाम तक और यहां तक कि सैंट्रल हॉल में लोग प्लास्टिक की बोतल और गिलास में कभी-कभी पानी पीते देखे गए हैं। इस विषय में उत्तर प्रदेश सरकार काफी चिन्तित थी। उसने मिट्टी के खनन के लिए पट्टा भी दिया। उनकी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने इन सभी लोगों को ओहदा देने की बात रखी है लेकिन इनकी बराबर यह मांग रही है कि इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए। आज इनका सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक और आर्थिक आधार पर पिछड़पन का कारण अनुसूचित जाति में शामिल नहीं होना है। प्रजापति समाज के लोग मिट्टी के बर्तन पूरे देश में बनाते हैं। यहां तक कि हमारे लिए मकान के ऊपर छाने के लिए खपरैल को भी बनाते हैं। आज इनके सामने भुखमरी की स्थिति है। मैं चाहूंगा कि सरकार इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल करे ताकि इनका सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक तौर पर विकास हो सके।

---

* N t Recorded.

12.54 hrs.